दिनांक : 31 जनवरी, 2014

कांग्रेस में घबराहट

- अरुण जेटली
राज्य सभा में विपक्ष के नेता

जैसे–जैसे चुनाव नज़दीक आते जा रहे हैं, कांग्रेस पार्टी की घबराहट बढ़ती जा रही है। हर कोई जोश के साथ मुकाबला करने की तैयारी करने के बजाय अपनी स्थिति को लेकर बौखलाया हुआ है।

अमेठी कांग्रेस पार्टी का किला है। यह राहुल गांधी का निर्वाचन क्षेत्र है। इसे चार दशकों से एक परिवार ने पाला पोसा है। अमेठी के राजा संजय सिंह राहुल गांधी के खिलाफ चुनाव लड़ सकते हैं, यह विचार ही कांग्रेस पार्टी के प्रधानमंत्री पद के वास्तविक उम्मीदवार को डराने के लिए काफी था। अमेठी के राजा को असम से राज्य सभा में भेजना पड़ा। अमेठी को बचाने के लिए एक किस्म की सुरक्षा दीवार खड़ी की जा रही है। साथ ही सपा और बसपा के साथ सौदेबाजी की जा रही है कि वह वर्तमान सांसद के खिलाफ अल्पसंख्यक समुदाय का उम्मीदवार न उतारें। इस पूरी प्रक्रिया में कांग्रेस पार्टी के नेता की न केवल व्यक्तिगत घबराहट दिखाई दी है बल्कि असम में पार्टी की संभावनाओं को भी नुकसान पहुंचा है। पूर्वोत्तर और जम्मू कश्मीर जैसे राज्य विशेषकर संवेदनशील हैं और चाहते हैं कि उनका अपना उम्मीदवार संसद के लिए चुना जाए।

हरियाणा, हिमाचल प्रदेश और छत्तीसगढ़ के वरिष्ठ नेता राज्य सभा में आने की फिराक में हैं जिन्हें इस चुनाव में पार्टी के चुनाव प्रचार की कमान संभालनी चाहिए।

सहयोगियों की हालत भी इससे अलग नहीं है। तृणमूल कांग्रेस, डीएमके और टीआरएस उन प्रमुख सहयोगियों में से हैं जिनका यूपीए से संपर्क खत्म हो चुका है। वर्तमान सहयोगियों में राकांपा और नेशनल कान्फ्रेंस प्रमुख सहयोगी हैं। राकांपा रोजाना परस्पर विरोधी संकेत दे रही है। उसके नेताओं के 2002 के गुजरात दंगों के बारे में बयान कांग्रेस पार्टी की लाईन के विपरीत हैं। नेशनल कान्फ्रेंस को यह अहसास हो चुका है कि नई दिल्ली में सत्तारुढ़ दल के साथ गठबंधन कश्मीर घाटी में उसके लिए घाटे का सौदा होगा। वह उससे नाता तोड़ने की तैयारी में है।

हाल में कांग्रेस पार्टी की कोई भी राज्य इकाई केन्द्रीय नेतृत्व को चुनौती देने का साहस नहीं जुटा पाई। मुख्यमंत्री के नेतृत्व में आंध्र प्रदेश के अधिकतर कांग्रेसियों ने तेलंगाना पर पार्टी के निर्णय को नहीं माना। अब आंध्र प्रदेश में राज्य सभा के चुनावों में क्रॉस वोटिंग हो सकती है। इन तमाम घटनाक्रमों से राज्य में कांग्रेस विभाजित हो सकती है जहां 2004 और 2009 में पार्टी को सबसे ज्यादा सीटें मिलीं थी।

और अंत मेरे मित्र केन्द्रीय वित्त मंत्री श्री पी. चिदम्बरम नॉर्थ ब्लॉक की पारी के बाद बाकी जीवन की योजना बनाते दिख रहे हैं। वह एक अत्यधिक सक्षम वकील हैं। संसद का नुकसान उच्चतम न्यायालय के लिए फायदेमंद होगा। जिस तरीके की बयानबाजी वह कर रहे हैं और अपने विरोधियों से बौद्धिक सवाल कर रहे हैं, मुझे शक है कि वह स्तंभ लेखन का अभ्यास कर रहे हैं। मुझे पूरा यकीन है कि उनका स्तंभ पढ़ने के लिए बढ़िया होगा।

★★★★★